शिक्षा का अर्थ

Meaning of Education

"शिक्षा" शब्द संस्कृत भाषा की 'शिक्ष' धातु में 'अ' प्रत्यय लगाने से बना है। शिक्ष का अर्थ है- सीखना और सीखाना। 'शिक्षा' शब्द के लिए अंग्रेजी में Education शब्द का प्रयोग किया जाता है। Education शब्द लैटिन भाषा के Educatum शब्द से विकसित हुआ है। Education शब्द का अर्थ है- अन्दर से आगे बढ़ाना।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि शिक्षा का शाब्दिक अर्थ जन्मजात शक्तियों का सर्वांगीण विकास करने की प्रक्रिया है।

शिक्षा वास्तव में एक प्रक्रिया है- जिसके द्वारा एक मानव की छिपी हुयी शक्तियों को विकसित किया जाता है, उजागर किया जाता है। उसमें नये ज्ञान, कुशलताओं, मूल्यों, आदर्श आदि को सिखाया जाता है। जिससे की व्यक्ति अपने वातावरण पर अधिकार पा सके। समाज में अपना सही स्थान प्राप्त कर सके और मानव जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त कर सके।

"मेरे विचार से शिक्षा तथा खोज करने की भावना, अपने मस्तिष्क और हृदय की सुन्दरता, भलाई तथा अच्छाई और हमारे चारों ओर जो कुछ हमें घेरे हुए है, उसके प्रति नेत्र खुले रखना और स्वयं सोचना और विचार निर्मित करना है।" इन्दिरा गांधी

Teacher. (शिक्षक)

शिक्षा देने वाले को शिक्षक कहते है। शिक्षिका शब्द शिक्षक का स्त्रीलिंग रूप है। यह एकवचन अथवा बहुवचन दोनों तरह से प्रयुक्त किया जा सकता है। "शिष्य के मन में सीखने की इच्छा को जो जागृत कर पाते हैं वे ही शिक्षक कहलाते है।

शिक्षक एक ऐसा शब्द है जो जीवन की दिशा देते हुए सुनिश्चित लक्ष्य तक पहुँचने तक के सफर में सबसे अहम योगदान देता है। किसी भी रूप में शिक्षक का महत्व तो शाश्वत ही है। महत्व नहीं बदल सकता

शिक्षक शब्द अंग्रेजी भाषा के शब्द टीचर का हिन्दी अनुवाद प्रतीत होता है यानी एक ऐसा इंसान जो शिक्षण का कार्य करता है। सीखने सिखाने की प्रक्रिया को सहजता और विशेषज्ञता के साथ करता है। भारत में शिक्षक के लिए गुरु शब्द का अर्थ होता है सम्पूर्ण यानि जो हमें जीवन की सम्पूर्णता को हासिल करने की दिशा में बढ़ने के लिए हमारा पथ अवलोकित करता है।

शिक्षक का अर्थ

शि → शिखर तक ले जाने वाला (SUMMONER)
क्ष → क्षमा की भावना रखने वाला Feeling Sorry
क → कमजोरी दूर करने वाला (weeder)
अर्थात -

Scanned with CamScanner

Teacher is the Creator of the Nation

M T W T F S S
1 2 3 4 5
6 7 8 9 10 11 12
13 14 15 16 17 18 19
20 21 22 23 24 25 26
27 28 29 30 31

April 18
WK 16 Thursday
2019 Day 108-257

Appointments

जो विद्यार्थी की हर गलती को क्षमा करने की भावना रखता है और उसकी हर कमजोरी दूर कर उसको शिखर (सफलता) तक ले जाता है - वही सच्चा शिक्षक कहलाता है।

T - TALENTED - प्रतिभावान
E - ELEGANT - शिष्ट
A - AWESOME - बहुत बढ़िया
C - CHARMING - आकर्षक, दिलकश
H - HELPFUL - उपयोगी
E - EFFICIENT - कुशल
R - RECEPTIVE - ग्रहणशील

E - ENERGY - ऊर्जा
D - DISCIPLINE - अनुशासन
U - UNITY - एकता
C - CONFIDENCE - आत्मविश्वास
A - AIM - लक्ष्य
T - TALENT - प्रतिभा
I - INTEREST - दिलचस्पी, रुचि
O - OPPORTUNITY - अवसर
N - NATIONALITY - राष्ट्रीयता

T - TERRIFIC - भयानक
E - ENERGETIC - शक्तिशाली
A - ABLE - योग्य
C - CHEERFUL - हंसमुख
H - HARDWORKING - मेहनती
E - ENTHUSIASTIC - उत्साही
R - REMARKABLE - असाधारण

Scanned with CamScanner

भारतीय समाज में शिक्षक

शिक्षक : अध्यापक शिक्षण प्रक्रिया का सच्चा सूत्रधार है। शिक्षक के व्यक्तित्व का बालकों के ऊपर अमिट प्रभाव पड़ता है और वह उनके भावी जीवन की नींव रखता है।

कहा गया है कि किसी समाज में अध्यापक का दर्जा उसके सामाजिक, सांस्कृतिक लोकाचार को प्रतिबिम्बित करता है।

प्राचीन काल के शिक्षक कैसे थे, आज के शिक्षक कैसे हैं, भावी शिक्षक कैसे होने चाहिए?

प्राचीन काल में शिक्षक का समाज में बहुत ऊँचा स्थान था। समाज उन्हें आदर की दृष्टि से देखता था।

"गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वर:
गुरु साक्षात परम ब्रह्म।"

अर्थात –

गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, महेश और साक्षात परम ब्रह्म माना जाता था।

छात्रों के आचरण तथा जीवन पर शिक्षकों का गहरा प्रभाव था।

संस्कृत में कहा गया है –

"आचरति इति आचार्य"

अर्थात "जिसका आचरण किया जाए वह आचार्य है।"

24 25 26 27 28 29 30

Appointments

WK 20 Saturday 18

2019 Day 138-227

दूसरी पंचवर्षीय योजना के निर्माता -

" हर युग में अध्यापक ही शिक्षा पद्धति का केन्द्र होता है। बुनियादी परिवर्तन तथा नवीनता के इस युग में तो यह विशेष रूप से सत्य है।

In English -

"At all times, the teacher is the pivot of the system of education. This is especially the case in a period of basic change and reorientation."

By Authors of the Second Five Year Plan

टिन्डाल का विचार -

"यदि कोई व्यवसाय अत्यन्त महत्वपूर्ण है तो मेरे विश्वास में वह स्कूल अध्यापक का है।"

"If there is any profession of a paramount importance, I believe it is that of schoolmaster" By - Tyndall

सर जॉन एडम का विचार -

"अध्यापक मनुष्य का निर्माता है"।

"The teacher is maker of men"

By - Sir John Adam

Scanned with CamScanner

M	T	W	T	F	S	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

MAY '19

Appointments

कबीर का विचार –

"गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागूँ पांय।
बलिहारी गुरु आपने, जिन गोविन्द दियो बताय।"

"Teacher and God both are standing before me
Whom should I pay my obeisance?
I bow to you my teacher
who guided me to God"

By Kabir

और हुमायूँ कबीर का विचार :

"अध्यापक वास्तविक रूप से राष्ट्र के भाग्य निर्माता हैं।"

"Teachers are literally the arbiters of a nation's destiny"

By Humayun Kabir

डॉ० जाकिर हुसैन का विचार –

"निःसन्देह, अध्यापक हमारे भविष्य का निर्माता है।"

"The teacher is Indeed, the architect of our future"

Dr. Zakir Hussain

Scanned with CamScanner

वह राष्ट्र का निर्माता होता है। उसका प्रभाव केवल किसी प्रदेश या प्रान्त तक ही सीमित नहीं होता बल्कि समूचे राष्ट्र में और राष्ट्र से भी बाहर विदेशों में फैला रहता है।
प्लेटो, अरस्तू, सुकरात, गुरु नानक, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी जैसे महान् लोगों का समूचे विश्व में फैला हुआ है। पश्चिमी और पूर्वी देशों के कई महान व्यक्तियों ने अध्यापकों की महानता को स्वीकार किया है।

मनु का विचार, भारत के प्राचीन मुनि मनु ने कहा है,– "अध्यापक ब्रह्म का रूप है, पिता प्रजापति का रूप है।
उन्होंने कहा है– " "माता की भक्ति से बच्चा इस संसार को प्राप्त करता है, पिता की भक्ति से वह अन्तरिक्ष को प्राप्त करता है।"

" A Teacher is the Image of Brahma, a father is the Image of the earth---
By devotion to his mother, the child obtains this world, by the devotion of his father, it obtain heaven."

एक भारतीय प्रार्थना– " गुरु ब्रह्मा है, गुरु विष्णु है, महेश्वर है, वह समस्त ब्रह्माण्ड है। उसे प्रणाम है।"
" The teacher is Brahama, the creator, he is God Vishnu, he is God Maheshwara. He is the entire universe, salutation (अभिवादन) to Him."
'An Indian Prayer'

किसी भी शिक्षा पद्धति में अध्यापक का प्रमुख स्थान होता है। "समूची शिक्षा पद्धति अध्यापक के इर्द-गिर्द घूमती है"। (The whole system of education revolves around the teacher)

"अध्यापक के बिना स्कूल एक निर्जीव शरीर के समान है"। "वह विद्यार्थियों का आध्यात्मिक एवं बौद्धिक पिता है"।

"School is like a lifeless body without a teacher."

"He is the spiritual and intellectual father of the students"

वह विद्यार्थियों को अज्ञान के अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है और सभ्यता के दीपक को हमेशा प्रज्वलित रखता है। वह विद्यार्थियों के शारीरिक, बौद्धिक, भावात्मक, सामाजिक, नैतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। वह विद्यार्थियों को पशुत्व से मनुष्यत्व की ओर ले जाता है। यह अध्यापक ही है, जो किसी के जीवन को जीने योग्य बनाता है।

Scanned with CamScanner